

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 20 October 2026

डॉ. उज्ज्वला साकरकर : आयुर्वेद सेवा और समाजहित के लिए 32 वर्षों का समर्पित सफर

Sanket Morankar

Published on 19 Oct 2026



आयुर्वेद, शिक्षा और समाजसेवा का समन्वय

आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार, चिकित्सा शिक्षा, रोगी सेवा और सामाजिक कार्यों में पिछले 32 वर्षों से योगदान दे रही डॉ. उज्ज्वला साकरकर की यात्रा समर्पण और सामाजिक प्रतिबद्धता का उदाहरण है। वह अमरावती स्थित डॉ. राजेंद्र गोडे आयुर्वेद महाविद्यालय, अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में प्राचार्या और चिकित्सा अधीक्षक की जिम्मेदारी निभा रही हैं।

महाविद्यालयीन प्रशासन में 16 वर्षों के अनुभव के साथ उनका प्रयास शैक्षणिक गुणवत्ता को मजबूत करना, विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन देना और चिकित्सा सेवा में संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी के मूल्यों को बढ़ावा देना रहा है।

उनके लिए आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी ज्ञान और जीवनशैली के सिद्धांतों को आम लोगों तक पहुँचाने का माध्यम भी है। आयुर्वेदिक उपचार पद्धतियों, आहार-विहार और पारंपरिक स्वास्थ्य संबंधी विचारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना उनके कार्य का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

भावी चिकित्सकों को व्यावहारिक ज्ञान और संवेदनशीलता

चिकित्सा शिक्षा में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल और रोगियों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण भी आवश्यक हैं। डॉ. साकरकर विद्यार्थियों को इन पहलुओं के प्रति जागरूक करने पर जोर देती हैं, ताकि वे अपने ज्ञान का उपयोग जिम्मेदारीपूर्वक कर सकें।

प्राचार्या और चिकित्सा अधीक्षक के रूप में उनकी भूमिका में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ अस्पताल की व्यवस्थाओं और रोगी सेवा से जुड़े दायित्व भी शामिल हैं। शिक्षा और चिकित्सा प्रशासन के बीच समन्वय स्थापित करते हुए वह संस्थान के कार्यों को बेहतर बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं।

मेलघाट में मातृ एवं बाल स्वास्थ्य के लिए पहल

चिकित्सा सेवा को अस्पताल की चारदीवारी तक सीमित न रखते हुए डॉ. साकरकर पिछले दो वर्षों से आदिवासीबहुल मेलघाट क्षेत्र में कुपोषित बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में भाग ले रही हैं।

इन प्रयासों के अंतर्गत उचित पोषण, आवश्यक चिकित्सा देखभाल और मातृ एवं बाल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान दिया जाता है। इस प्रकार की पहल का उद्देश्य उन समुदायों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और आवश्यक सहायता पहुँचाने में योगदान देना है, जहाँ स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच एक महत्वपूर्ण विषय है।

मातृ एवं बाल स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना केवल चिकित्सा व्यवस्था का कार्य नहीं, बल्कि परिवारों और समुदायों की सहभागिता से जुड़ा प्रयास भी है। डॉ. साकरकर की सामाजिक भागीदारी इसी व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाती है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प

डॉ. उज्ज्वला साकरकर के सामाजिक कार्यों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा स्वर्गीय इंदिराबाई मनोहरराव चैरिटेबल ट्रस्ट से जुड़ा है। वह अपने पिता द्वारा स्थापित इस ट्रस्ट की अध्यक्ष के रूप में पिछले पाँच वर्षों से जिम्मेदारी निभा रही हैं।

ट्रस्ट के माध्यम से बच्चों के लिए संस्कार वर्ग आयोजित किए जाते हैं। इसके साथ ही परित्यक्ता, विधवा और निराश्रित महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रयास किए जाते हैं। इस कार्य के पीछे महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना और बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास करना प्रमुख उद्देश्य है।

यह पहल सामाजिक सहायता के साथ-साथ सम्मान, आत्मविश्वास और स्वावलंबन को महत्व देती है। बच्चों के संस्कार और महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता पर एक साथ ध्यान देना समाज के दीर्घकालीन विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

सेवा के लिए मिला सम्मान

कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवा में उनके योगदान के लिए डॉ. उज्ज्वला साकरकर को 'कोरोना योद्धा' के रूप में सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, 23 सितंबर 2025 को उन्हें धन्वंतरी पुरस्कार से भी सम्मानित किए जाने की जानकारी दी गई है।

ये सम्मान चिकित्सा सेवा और सामाजिक कार्यों के प्रति उनके समर्पण की पहचान के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं। उनके कार्यों में चिकित्सा शिक्षा, रोगियों की देखभाल और समाज के जरूरतमंद वर्गों के लिए सक्रिय भागीदारी का समन्वय दिखाई देता है।

सेवा, संस्कार और स्वावलंबन की प्रेरक यात्रा

डॉ. उज्ज्वला साकरकर का 32 वर्षों का सफर चिकित्सा अनुभव, शैक्षणिक नेतृत्व और सामाजिक प्रतिबद्धता के मेल को दर्शाता है। आयुर्वेद के ज्ञान को आगे बढ़ाने, विद्यार्थियों को जिम्मेदार चिकित्सक बनने के लिए प्रेरित करने, मेलघाट में मातृ एवं बाल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में भाग लेने और जरूरतमंद महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम करने के माध्यम से वह समाजहित में योगदान दे रही हैं।

उनकी यात्रा यह संदेश देती है कि चिकित्सा सेवा का महत्व उपचार तक सीमित नहीं है। शिक्षा, जागरूकता, सामाजिक सहयोग और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना भी समाज के स्वास्थ्य और विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

संपर्क विवरण

- मोबाइल : 9699384239
- ई-मेल : usakarkar@gmail.com